आशायें

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तराखण्ड सरकार, जिला आशा संसाधन केन्द्र एवं स्टेट आशा रिसोर्स सेन्टर,
ग्राम्य विकास संस्थान, हिमालयन इन्स्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट के सौजन्य से

अप्रैल-सितम्बर 2011, अंक 13

सम्पादकीय

प्रिय पाठकों,

इस समाचार पत्रिका के माध्यम से आप लोगों से जुड़ कर एक सुखद अनुभूति हो रही है। अपने प्रयास को जारी रखते हुए अगला अंक प्रकाशित करते हुए हमें हर्ष हो रहा है। 'आशायें' को प्रकाशित करते हुए हमारी अपेक्षा है कि यह पत्रिका राज्य में अधिक से अधिक आशाओं और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों द्वारा पढ़ी एवं समझी जाए। साथ ही आशा करते हैं कि इस पत्रिका को बेहतर तथा उपयोगी बनाने तथा इसे सार्थक स्वरुप देने हेतु आप अपने सुझाव समय-समय पर देते रहेंगे।

जैसा कि आप सभी को विदित होगा कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के सौजन्य से प्रदेश में आशाओं के द्वारा प्रजनन एंव बाल स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त किया जा रहा है। क्योंकि राज्य में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में आशाओं की भूमिका को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और हम देख रहे हैं कि आशायें अपने-अपने क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही हैं। उनके कार्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा सभी स्तर से अच्छे प्रयास किये जा रहे हैं। हम आशा करते हैं कि हमारे ये कदम राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के कार्य को आगे बढ़ाने में मददगार होंगे। इसी प्रयास के साथ आप और हम।

इन्ही शुभकामनाओं के साथ।

स्टेट आशा रिसोर्स सेन्टर
ग्राम्य विकास संस्थान,
हिमालयन इन्स्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट

वाउचर परियोजना पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के अन्तर्गत स्वास्थ्य शिविर

मुख्य आकर्षण

- सम्पादकीय 1
- आशा की कहानी आशा की जुबानी..... 2
- मेन्टरिंग कमेटी एवं त्रैमासिक बैठक..... 3
- वाउचर परियोजना-एक परिचय..... 4
- वाउचर परियोजना के अन्तर्गत पंजीकृत चिकित्सालय.... 5
- न्यूज गैलरी 6
- आशा कार्यक्रम पर समुदाय के विचार.....7-8

''संकल्प शक्ति ही सफलता का आधार स्तम्भ है''-डॉ0 स्वामी राम

नवजात शिशु को दिया नव जीवन

मेरा नाम सावित्री राय है। मैने 4 वर्षों से आशा कार्यकर्ती के पद पर कार्य किया। वर्तमान में मैं आशा फैसिलिटेटर के पद पर लोहाघाट क्षेत्र में कार्य कर रही हूं। मैं बताना चाहती हूं कि किस प्रकार हाईपोथर्मिया में चले गये नवजात शिशु की जान हाईपोथर्मिया बैग के कारण बच गयी। जनवरी 21–1–11 शुक्रवार के दिन भूमलाई ग्राम सभा जहां की मैं आशा फैसिलिटेटर हूं, से आशा कार्यकर्ती का फोन आया कि दीदी मैं डिलीवरी केस, जो रैफर किया गया है, के साथ बाहर गयी हूं किन्तु एक डिलीवरी और आयी है। अगर आपसे कोई सहायता होती है तो कर दो। मैं तुरन्त अस्पताल पहुंची। वहां पर पुष्पा पुनेठा पत्नी श्री नवीन पुनेठा ने आधे घन्टे बाद शिशु को जन्म दिया। उस दिन काफी ठन्ड थी व बर्फ भी पड़ रही थी और बारिश हो रही थी। तीन दिन से बिजली नहीं थी व बच्चा हाईपोथर्मिया की ओर तेजी से जा रहा था। बच्चे की हालत बिगडती चली जा रही थी। डा0 राशि भटनागर, डा0 एस0 विष्ट और डा0 राजू पुनेठा व स्टाफ नर्स सभी बच्चे को बचाने का प्रयास कर रहे थे पर बच्चे की स्थिति बिगड़ती चली जा रही थी। तब मुझे हाईपोथर्मिया बैग का ध्यान आया और मैं बिना समय गंवाये नजदीक में रहने वाली आशा कार्यकर्ती के घर से बैग मांग कर लायी और जिस प्रकार प्रशिक्षण के दौरान हमें सिखाया गया था कि सावधानी पूर्वक किस प्रकार बच्चे को लपेटना है वैसा ही मैंने किया बैग में रखने के बाद बच्चा धीरे–धीरे सामान्य स्थिति में आने लगा और बच्चा स्वस्थ हो गया तथा इस प्रकार बच्चे की जान बच पायी।

इस कार्य को करने के लिये मुझे बैग मांगकर लाना पड़ा क्योंकि उस समय आशा फैसिलिटेटरों हेतु यह बैग उपलब्ध नहीं थे। अगर हमें इस विषय में जानकारी प्रशिक्षण में नहीं दी गयी होती तो शायद मैं बच्चे को नहीं बचा पाती। आज वह बच्चा स्वस्थ है। उसके माता–पिता मुझे बहुत धन्यवाद देते हें। इस कार्य के लिये प्रभारी चिकित्सा अधिकारी , डा0 विष्ट, डा0 राशि भटनागर ने सराहना की और मुझे पुरस्कृत करने का वादा किया।

इस सफलता का श्रेय मैं हमारे प्रशिक्षक श्री भास्कर जोशी और उनकी टीम को देती हूं जिन्होंने हमें इस योग्य बनाया कि हम मातृ एवं नवजात शिशुओं के जीवन को बचा सकें। मैं स्टेट आशा रिर्सोस सेन्टर एवं चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सभी का आभार व्यक्त करती हूं व आशा करती हूं कि इसी प्रकार हमें विभिन्न विषयों पर आगे भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहेगा।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन चलाया,
गांव में आशा को बनाया,
जब गांव में आशा चली,
तब गर्भवती से वह मिली ।।
टीकाकरण की जब बारी आयी,
गर्भवती तब घबरायी,
गर्भवती को प्यार से समझाये,
मां व शिशु को टिटनेस से बचाये ।।
अब बारी प्रसव की आयी,
सुरक्षित प्रसव की योजना बनायी,
प्रसव कराये स्वास्थ्य केन्द्र में,
आत्मविश्वास बनाये अपने गांव में ।।
जब शिशु का जन्म हुआ तो,
तुरन्त मां का दूध पिला दो,
बी.सी.जी. का टीका लगाओ,
टी.बी. रोग से मुक्ति पाओ ।।
डी.पी.टी. के तीन टीके लगाओ,
गलघोटू कालीखाँसी, टिटनेस से छुटकारा पाओ,
9 माह में मिजल्स लगाओ,
खसरा को दूर भगाकर 150 रूपये पाओ ।।
सभी टीके तुम लगवाओ,
बच्चे को स्वस्थ बनाओ ।।

आशा- उमा कोरंगा
ग्राम बडेत, रीठाबगड़

(गोकुला नन्द जोशी)
समन्वयक
जिला आशा संसाधन केन्द्र,बागेश्वर

आह

बोये जाते हैं बेटे,
और उग आती हैं बेटियां।
खाद पानी से सींचा बेटों को,
पर लहलहाती हैं बेटियां।
सुदूर ऊँचाई तक जबरन ठेले जाते हैं बेटे,
किन्तु ये क्या चढ जाती हैं बेटियां।
रूलाते हैं बेटे,
और रोती हैं बेटियां।
जगह जगह गिरते हैं बेटे,
पर संभाल लेती हैं बेटियां।
सुख के स्वप्न दिखाते बेटे,
पर जीवन की सार्थकता हैं बेटियां।
जीवन तो बेटों का है,
और मारी जाती हैं बेटियां।।

(भास्कर जोशी)
समन्वयक
जिला आशा संसाधन केन्द्र चम्पावत

मेन्टरिंग कमेटी एवं त्रैमासिक बैठक

दिनांक 28 सितम्बर, 2011 को राज्य आशा संसाधन केन्द्र, आरडीआई, एचआईएचटी में मेन्टरिंग कमेटी एवं त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में जनपद स्तर पर चल रहे आशा कार्यक्रम की प्रगति पर चर्चा करना एवं डीएआरसी द्वारा पिछली तिमाही में किये गये कार्यों को जानना था। बैठक में एसएआरसी एवं डीएआरसी के प्रतिनिधियों के अलावा भारत सरकार से एनएचएसआरसी, नई दिल्ली से श्री अरुण श्रीवास्तव, एवं मिस आभा तिवाड़ी, कन्सलटेन्ट ने भाग लिया। बैठक का संचालन डॉ० वी०डी० सेमवाल, परियोजना प्रबन्धक एसएआरसी द्वारा किया गया।

सर्वप्रथम डॉ० वी०डी० सेमवाल द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए एनएचएसआरसी से आये हुए प्रतिनिधियों का डीएआरसी के प्रतिभागियों से परिचय कराया गया। तत्पश्चात बैठक के एंजेंडानुसार एसएआरसी द्वारा पिछली तिमाही में किये गये कार्यों पर प्रस्तुतीकरण किया। जिसमें मुख्यतः आशा 6 एवं 7 मॉड्यूल पर द्वितीय चरण के प्रशिक्षण की जनपद्वार स्थिति की जानकारी दी गई। डॉ० सेमवाल द्वारा बताया गया कि उक्त प्रशिक्षण एक दो जनपदों को छोड़कर लगभगी सभी जनपदों में समाप्त हो चुका है। जिन जनपदों में प्रशिक्षण पूर्ण नहीं हुआ है वहां देरी की वजह वर्षा ऋतु में आवागमन सुविधाओं का प्रभावित होना रहा। उन्होंने सभी डीएआरसी से आग्रह किया कि अनुकूल परिस्थितियों के न होने पर भी हमें प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ने देना है। सभी डीएआरसी को समय-समय पर आशा को उसके जिम्मेदारियों के प्रति प्रोत्साहन किया जाना चाहिए।

बैठक में श्री अरुण श्रीवास्तव द्वारा आशा फैसीलिटेटर तथा ब्लॉक कॉर्डिनेटर के रिपोर्टिंग फॉर्मेट पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सभी डीएआरसी द्वारा बताया गया कि सभी जनपदों में आशा फैसीलिटेटर एवं ब्लॉक कॉर्डिनेटर दिये गये फॉर्मेट के अनुसार ही रिपोर्टिंग कर रहे हैं। एसएआरसी द्वारा आशा फैसीलिटेटरों हेतु दिये गये विजिट सम्बन्धी फॉर्मेट पर भी चर्चा की गई।

तत्पश्चात सभी डीएआरसी द्वारा अपने-अपने जनपदों में आशा कार्यक्रम पर प्रस्तुतीकरण दिया गया जिसमें कि आशा 6 एवं 7 मॉड्यूल के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण के अलावा डीएआरसी द्वारा किये गये अन्य कार्यों की जानकारी दी गई।

अन्त में बैठक के समापन से पूर्व श्री अरुण श्रीवास्तव ने आशाओं की कार्यप्रणाली की जाँच के लिए एनएचएसआरसी द्वारा विकसित किये गये सूचना प्रबन्धन तन्त्र को प्रस्तुत किया।

आशा 6वें एवं 7वें मॉड्यूल का प्रशिक्षण

जैसा कि आप सभी को मालूम है कि हमारे प्रदेश में पिछले वर्ष से राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत नवजात शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए नवजात शिशु की घर में देखभाल पर प्रशिक्षणों का क्रम जारी है। जिसमें कि गत् वर्ष राज्य प्रशिक्षकों, जिला प्रशिक्षकों, आशा फैसीलिटेटर एवं आशाओं के प्रथम चरण का प्रशिक्षण गुणवत्तापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस वर्ष अब तक राज्य स्तर पर 5 राज्य प्रशिक्षकों का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण गढ़चरौली महाराष्ट्र में पूर्ण हो चुका है। ब्लॉक स्तर पर आशा फैसीलिटेटरों एवं आशाओं का भी द्वितीय चरण का प्रशिक्षण समाप्त हो चुका है। जिसमें कि कुल 550 से 541 आशा फसीलिटेटरों तथा 11086 में 10064 आशाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अब जिला प्रशिक्षकों का द्वितीय चरण एवं आशाओं एवं आशा फैसीलिटेटरों का तृतीय चरण का कार्यक्रम सुनिश्चित किया जा रहा है।

मिस रीना चतुर्वेदी द्वारा आशा प्रशिक्षणों का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण

हम आशा करते हैं कि आप इन प्रशिक्षणों में पूरे उत्साह एवं गम्भीरता के साथ भाग लेते रहेंगे जिससे कि हमारे प्रदेश के साथ ही साथ राष्ट्रीय स्तर पर एनआरएचएम द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की ओर अग्रसर हो सकें।

ब्लॉक स्तर पर वाउचर परियोजना पर आशा एवं आशा फैसीलिटेटरों का प्रशिक्षण

वाउचर परियोजना का उददेश्य राज्य के गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले (बी.पी.एल श्रेणी) परिवारों को वाउचर परियोजना के अंतर्गत पंजीकृत निजी चिकित्सालयों के माध्यम से मातृ–शिशु एवं परिवार कल्याण सम्बन्धी सेवाओं को उपलब्ध कराना है।

वाउचर की उपलब्धता

परियोजना के तहत राज्य के पांच जनपदों क्रमशः नैनीताल, अल्मोड़ा, उधम सिंह नगर, देहरादून व हरिद्वार के बी.पी.एल. श्रेणी के परिवारों को वाउचर की उपलब्धता अपने–अपने गांव की आशा कार्यकर्ती से अथवा पंजीकृत निजी चिकित्सालयों में बी.पी.एल कार्ड, आर.एस.बी.वाई अथवा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए स्वास्थ्य कार्ड प्रस्तुत करने पर उपलब्ध हो सकता है।

शेष जनपदों–पौड़ी, उत्तरकाशी, चमोली, टिहरी, रूद्रप्रयाग, बागेश्वर, चम्पावत एवं पिथौरागढ़ के बी.पी.एल. श्रेणी के परिवारों को वाउचर की उपलब्धता बी.पी.एल कार्ड, आर.एस.बी.वाई अथवा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए स्वास्थ्य कार्ड प्रस्तुत करने पर किसी भी पंजीकृत निजी चिकित्सालयों पर उपलब्ध होंगी व सम्बन्धित व्यक्ति सेवाओं का लाभ इन पंजीकृत निजी चिकित्सालयों में निःशुल्क प्राप्त कर सकता है।

वाउचर स्कीम के अन्तर्गत मिलने वाली सेवायें

मातृ स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाएं :

1. प्रसव पूर्व सेवाएं–
   - ❖ तीन प्रसव पूर्व जांचें,
   - ❖ अल्ट्रासाउण्ड,
   - ❖ लैब टेस्ट
   - ❖ आयरन की गोलियां
   - ❖ टी0टी0 के दो टीके
2. प्रसव सेवाएं–
   - ❖ सामान्य एवं कठिन प्रसव
   - ❖ सामान्य प्रसव पश्चात दो दिन व कठिन प्रसव पश्चात पाँच दिन के रहने की व्यवस्था
   - ❖ दूर–दराज क्षेत्रों से 108 सेवा की उपलब्धता
3. प्रसवोपरान्त सेवाएं–
   - ❖ प्रसवोपरान्त दो जांचें

नवजात शिशु सम्बन्धी सेवाएं :

1. नवजात शिशु सेवाएं–
   - ❖ प्रसवोपरान्त बाल रोग विशेषज्ञ द्वारा शिशु की जांच समस्या की स्थिति में सेवाओं की उपलब्धता

परिवार कल्याण सम्बन्धी सेवाएं :

- ❖ पुरूष नसबन्दी
- ❖ महिला नसबन्दी
- ❖ आई.यू.डी/कॉपर–टी

वाउचर के प्रकार

परियोजना में चार प्रकार की भिन्न सेवाओं हेतु चार भिन्न प्रकार के वाउचरों (कूपनों) की व्यवस्था रंग अनुसार निम्न प्रकार की गई है–

1. प्रसव पूर्व सेवाओं हेतु – गुलाबी रंग का
2. प्रसव एवं नवजात शिशु सेवाओं हेतु – हरे रंग का
3. प्रसवोपरान्त सेवाओं हेतु – नारंगी रंग का
4. परिवार कल्याण सेवाओं हेतु – नीले रंग का

आशा कार्यकर्ती की भूमिका

सन् 2005 में लागू हुए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका ग्रामीणों एवं स्वास्थ्य ईकाइयों के मध्य कड़ी के रूप में सहयोग/योगदान प्रदान किए जाने की है। इस हेतु विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत गतिविधियों व लक्ष्यों के पूर्ण होने पर प्रोत्साहन राशि/इंसेन्टिव दिए जाने की व्यवस्था है । वाउचर परियोजना के अन्तर्गत आशा हेतु 250 रु0 की व्यवस्था है जिसका विवरण निम्न प्रकार है–

क्रं0 सं0	प्रसव पूर्व/पश्चात सेवाओं के घटक जिनमें आशा द्वारा सहयोग अपेक्षित है	इंसेन्टिव (रु0 में)
1	गर्भवती महिला का समय पर पंजीकरण (12 सप्ताह के भीतर)	20
2	गर्भवती महिला की प्रथम प्रसव पूर्व जॉच	20
3	गर्भवती महिला की द्वितीय प्रसव पूर्व जाँच	20
4	गर्भवती महिला की तृतीय प्रसव पूर्व जाँच	20
5	टी.टी–1 – प्रतिरक्षण	20
6	टी.टी–2/बूस्टर –प्रतिरक्षण	20
7	100 आई.एफ.ए. का वितरण व प्रयोग	60
8	स्तनपान कराए जाने में सहयोग (दो से छः घण्टे के भीतर)	50
9	जन्म का पंजीकरण कराया गया	20
	योग	250

क्रम सं0	जनपद	पंजीकृत चिकित्सालयों के नाम	फोन नं0
1	हरिद्वार	अर्पित मैटर्निटी होम, रूड़की	9837720387
		भूमानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय, हरिद्वार	9359658111
		संजीवन हॉस्पिटल, रूड़की	9719171286
		सैण्ट जोसफ हॉस्पिटल, रूड़की	9411502567
		वर्धमान मैटर्निटी हॉस्पिटल, रूड़की	9719137888
2	उधमसिंह नगर	महाजन नर्सिंग होम	9837420201
		आस्था नर्सिंग होम	05944-246027
		अमृत हॉस्पिटल	9359494100
		गायत्री नर्सिंग होम	9568132893
		जमुना नर्सिंग होम	9917906202
		किशोर हॉस्पिटल	9358194281
		जोशी नर्सिंग होम	9837077211
		आयुषमान नर्सिंग होम	9837467706
		सिंघल नर्सिंग होम	9411300049
		उर्मिला नर्सिंग होम	9837941777
		किलकारी नर्सिंग होम	9412588743
3	देहरादून	हिमालयन इन्स्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट	0135-2471239
		हर्बटपुर क्रिश्चियन हॉस्पिटल, विकासनगर	01360-250891
4	नैनीताल	शंकर हॉस्पिटल, हल्द्वानी	05946-222633, 221733
		सिटी हॉस्पिटल, हल्द्वानी	5946-322666,329980 9837350453
		बृजलाल हॉस्पिटल, हल्द्वानी	05946-284816 9927688888 9837811111
		जीवनदान हॉस्पिटल, हल्द्वानी	05946-232559 09210512153
		रतनशिला मैडिकेयर्स, हल्द्वानी	05946-310140 9837659927, 9412034514
5	अल्मोड़ा	एम.एन श्रीवास्तव हॉस्पिटल, रानीखेत	05966- 221511
		डीना हॉस्पिटल, डीनापानी	05962-251058, 05962-251057

दैनिक जागरण – 9/7/2011

आशा कार्यकत्रियों को दिया प्रशिक्षण

गंगोलीहाट: सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आशा कार्यकत्रियों को वाउचर स्कीम का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर इस स्कीम के तहत मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण पांच बैचों में दिया जाएगा। प्रशिक्षक कल्याण मेहता ने बताया कि प्रशिक्षण में मुख्य रूप से गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व व बाद में देखभाल, नवजात शिशु की देखभाल, परिवार नियोजन आदि की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह योजना पांच जिलों में चलाई जा रही है। इसके तहत अलग–अलग रंगों के कार्ड दिए जाएंगे। इस मौके पर सीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. कुंदन कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

अमर उजाला 08/7/11

वाउचर स्कीम से कार्यकत्रियां रूबरू

बीपीएल परिवारों के लिए बनी यह स्कीम

बेरीनाग / गंगोलीहाट (पिथौरागढ़)। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत बेरीनाग तथा गंगोलीहाट के खंड विकास सभागार में आयोजित आशाओं के एक दिवसीय प्रशिक्षण में वाउचर स्कीम की जानकारियां दी गईं। यह स्कीम बीपीएल परिवारों के लिए लागू की गई है। स्कीम के अंतर्गत प्रसव पूर्व तथा प्रसव के बाद महिलाओं को पंजीकृत निजी चिकित्सालयों में निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

हिमालय अध्ययन केंद्र पिथौरागढ़ के प्रशिक्षकों ने स्कीम के बारे में आशा कार्यकत्रियों को जानकारियां दीं। केंद्र के समन्वयक प्रकाश चंद्र पाठक ने बताया कि यह स्कीम गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए बेहद लाभकारी है। प्रसव के बाद बच्चे की देखभाल की सुविधा भी इस स्कीम के तहत मिलेगी। विभिन्न रंगों के कार्डों के प्रयोग तथा कार्डों से संबंधित बातें भी आशाओं को बताई गईं। बेरीनाग में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. प्रेमलता फकलियाल ने प्रशिक्षण का शुभारंभ किया।

प्रसव के बाद बच्चे की देखभाल की सुविधा भी इस स्कीम के तहत मिलेगी

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का दायित्व आशाओं के पास है। ग्रामीण अभी भी स्वास्थ्य विभाग की कई योजनाओं के बारे में नहीं जान पाए हैं।

इसलिए आशाओं को उन्हें ऐसी योजनाओं की जानकारी देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हर आशा को अपने-अपने क्षेत्र में जाकर वाउचर स्कीम के बारे में लोगों को बताना होगा। गंगोलीहाट में भी आशाओं को महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। प्रशिक्षक कल्याण सिंह ने वाउचर स्कीम के बारे में बताया।

4 | दैनिक जागरण | शनिवार, 22 जनवरी 2011

आशा कार्यकत्रियों को लक्ष्य पूरा करने पर जोर

आशाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : पंत

पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

दीप जलाते सीएमओ पंत व अन्य

पिथौरागढ़। आशाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें अपना कार्य गंभीरता से करना चाहिए। यह बात मुख्यचिकित्साधिकारी एच.सी.पंत ने कही। वे आज यहां एचएससी के सभागार में आशाओं के द्वितीय चरण के माड्यूल प्रशिक्षण का शुभारंभ करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा जनसंख्या नियंत्रण व भ्रूण हत्या रोकने में आशायें बेहतर साबित हो सकती हैं। पंत ने आशा सहकर्ताओं को राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीण स्वास्थ्य एवं स्वच्छता उपसमिति में आशाओं की अनदेखी के सवाल पर कहा इसके लिए पहले ही पंचायत प्रमुखों को पत्र जारी किए गये हैं। सीएमओ ने कहा आशायें वीएचएससी के तहत मिली धनराशि व खर्च का विवरण पंचायतों से प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने आरएसबीआई के तहत स्मार्ट कार्ड बनाने में आई परेशानियों को दूर करने का भरोसा दिलाया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक महेंद्र कुमार मौर्या ने कहा आशायें प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारी को गंभीरता से ग्रहण करें। उन्होंने कई माड्यूल प्रशिक्षण के बारे में भी बताया। जिला समन्वयक महेश पांडे ने प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी और कहा इससे क्षमताओं का विकास होता है। उन्होंने प्रशिक्षण की उपयोगिता पर भी जानकारी दी। एमएचआई के कार्य प्रभारी दिनेश पंत ने संचालन करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम को आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए जरूरी बताया।

इस अवसर पर प्रशिक्षण में समूह निर्माण, नियमों पर चर्चा, के साथ ही कार्यों व अनुभवों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण कृष्णानंद चौसाली, गंभीर मेहता, प्रेमा जोशी, प्रकाश पाठक दे रहे हैं।

अमर उजाला

जच्चा-बच्चा का ध्यान रखें आशा : डा. रतूड़ी

दिया प्रशिक्षण

आशा कार्यकत्रियों का लक्ष्य पूरा करने पर जोर

ऊधमसिंह नगर जागरण

6 | दैनिक जागरण | रुद्रपुर, 4 जनवरी 2011

आशा कार्यकत्रियों को किया गया प्रशिक्षित

आशा फैसिलिटेटरों का प्रशिक्षण संपन्न

पिथौरागढ़। हिमालयन अध्ययन केंद्र मे आशा फैसिलिटेटरो का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो गया है। संस्था के निदेशक डा. दिनेश जोशी ने प्रशिक्षण शिविर का समापन करते हुए कहा कि आशा और आशा फैसिलिटेटरो के माध्यम से वाउचर परियोजना के तहत बीपीएल परिवारों की गर्भवती महिला के प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद नवजात शिशु की देखभाल एवं परिवार नियोजन संबंधी सेवाओ का लाभ इन परिवारो के लिए वरदान साबित होगा। जोशी ने कहा कि वाउचर परियोजना के राज्य मे अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। बताया कि गुलाबी, हरा, नीला, नारंगी रंग के कार्डों के माध्यम से गर्भवती महिलाएं, नवजात शिशुओं को चिकित्सालय में निशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशिक्षक महेश पांडे ने एलसीडी के माध्यम से वाउचर परियोजना के उद्देश्य, वाउचर की उपलब्धता, आशा और आशा फैसिलिटेटरो की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। बताया कि जल्द ही आशाओं को ब्लाक स्तर पर वाउचर परियोजना के बारे में बताया जाएगा। गंभीर सिंह मेहता, कल्याण मेहता, केएन चौसाली, प्रकाश पाठक मौजूद थे।

5 जुलाई - 2011 अमर उजाला

परिवार नियोजन के महत्व पर दी विस्तार से जानकारी

आशा कार्यकत्रियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

अमर उजाला 29/6/11

जनसंख्या नियंत्रण में आशा की भूमिका अहम

प्रशिक्षण में आशाओं को दिए जाएंगे टिप्स

पिथौरागढ़ में दूसरे चरण का प्रशिक्षण शुरू

आशाओं के प्रशिक्षण शिविर का समापन

शिशुओं की देखभाल की दी गई जानकारी, पोषण दिवस के बारे में भी बताया

पिथौरागढ़। यहां हिमालय अध्ययन केन्द्र में आशाओं के सातवें माड्यूल के तहत गत पांच दिनों से चल रहे प्रशिक्षण शिविर का समारोहपूर्वक समापन किया गया। इस अवसर पर आशाओं को प्रशिक्षण में बताई गयी जानकारी का प्रयोग कार्यक्षेत्र में करने को कहा गया। प्रशिक्षण के दौरान शिशुओं की देखभाल व मूल्यांकन के बारे में बताया गया। कहा गया नवजात शिशुओं की अतिरिक्त देखभाल जरूरी है। उन्होंने शिशुओं के बुखार, श्वास संक्रमण, कुपोषण व बच्चों के आहार के बारे में विस्तार से बताया गया। बेहतर स्वास्थ्य की देखभाल के लिए प्रतिभागियों को 'नन्हों सी जान' फिल्म भी दिखाई गयी। इस प्रशिक्षण में विण व मूनाकोट विकास खंड की 55 आशाओं ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को ग्राम स्वास्थ्य व पोषण दिवस के बारे में बताया। ग्राम स्वास्थ्य व स्वच्छता उप समिति के कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। आशा के कार्य, दस्तावेजीकरण, विभिन्न चिकित्सा उपकरणों के प्रयोग के बारे में भी उन्हें विस्तार से बताया गया। क्षमता विकास पर भी आशाओं को रोचकता के साथ जानकारी दी गई। प्रशिक्षण महेश पाण्डे, प्रेमा जोशी सहित कई लोगों ने दिया।

एन0आर0एच0एम0 कार्यक्रम के आने से मातृ मृत्युदर में कमी आयी हैं व समुदाय को सम्पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो रहे हैं व जनता स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधायें प्राप्त कर रही है। संस्थागत् प्रसव व टीकाकरण व संचालित रोगों के प्रति समुदाय की जागरूकता बढ़ी हैं।

मुख्य चिकित्साधिकारी,
बागेश्वर

एन.आर.एच.कार्यक्रम के तहत वर्तमान में स्वास्थ्य की स्थिति में काफी सुधार पाया गया व समुदाय स्वास्थ्य के प्रति अधिकार के लिए जागरुक हो चुका है। आशा संसाधन की सहभागिता से कार्यक्रम में गति देखी जा रही हैं।

डा० जे०सी० मण्डल
नोडल ऑफीसर
बागेश्वर

एन.आर.एच.कार्यक्रम के तहत वर्तमान में स्वास्थ्य की स्थिति में जिले में काफी सुधार सूचकांकों में देखी गयी हैं। यह कार्यक्रम समुदाय के लिए काफी उपयोगी सिद्व हुए हैं।

श्री मनोज पुरोहित
डीपीएम, बागेश्वर

एन0आर0एच0एम0 का शुभारम्भ उत्तराखण्ड में अक्टूबर 2005 को किया गया जो ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया गया। यह समयबद्व कार्यक्रम है जो 2005–2012 तक है। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत मातृ एवं शिशु मृत्यु दरों में कमी एवं किशोर–किशोरियों तथा ग्रामों के कल्याण के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इस मिशन के अन्तर्गत आयुष को मुख्यधारा में लाया गया है तथा स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है।

एन0आर0एच0एम0 के आने से समुदाय की गर्भवती माताओं एवं शिशु की टीकाकरण तथा संस्थागत प्रसव में वृद्धि दर्ज हुई है। मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ी है तथा आशा कार्यकत्री तथा उसके कार्यों के विषय में जानकारी समुदाय को हुयी है।

समुदाय में एन0आर0एच0एम0 से सरकारी अवसंरचनाओं में सुदृढ़ीकरण किया गया है जिससे समुदाय को सुसज्जित चिकित्सा संस्था उपलब्ध हो पायी है। एन0आर0एच0एम0 के अन्तर्गत प्रत्येक सामु0/प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचारिकाओं एवं आयुष के चिकित्सा अधिकारियों को अनुबन्ध पर रखा गया है जिस कारण चिकित्सा अधिकारियों के कमी होते हुए भी संस्थागत प्रसव में वृद्धि दर्ज की गयी है। एन0आर0एच0एम0 द्वारा प्रत्येक ग्रामसभावार आशा कार्यकत्रियों का चयन कर समय–समय पर प्रशिक्षित कर समुदाय में जागरूकता बढ़ी है। मातृ एवं शिशु कल्याण हेतु जीवन रक्षक वैक्सीन तथा टी0बी0 के उपचार हेतु डाट्स तथा कुष्ठ रोगी के उपचार हेतु एम0टी0डी0 पद्धति निःशुल्क उपलब्ध है तथा प्रत्येक चिकित्सा अधिकारी तथा ए0एन0एम0 को नई जानकारी हेतु प्रतिक्षण दिये जा रहे हैं। जिससे समुदाय को गुणवत्तापरक सेवा प्राप्त हो रही है।

समुदाय में एन0आर0एच0एम0 के परिणामस्वरुप संस्थागत प्रसव में वृद्धि, व्यक्तिगत स्वच्छता हेतु जागरुकता, परिवार नियोजन हेतु अस्थायी विधि में वृद्धि तथा संचारी एवं गैरसंचारी रोगों के प्रति समुदाय में जागरुकता बढ़ी है।

विमला मखलोगा,
जिला कार्यक्रम प्रबन्धक,
एन0आर0एच0एम0,
उत्तरकाशी।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन स्वास्थ्य विभाग की एक महत्वपूर्ण योजना है। जो कि मुख्यतः गर्भावस्था के समय मां व शिशु की होने वाली मृत्यु को कम करने के उद्देश्य से बनायी गई है। इस योजना में विभिन्न चिकित्सा इकाइयों का सुदृढ़ीकरण किया गया है जिससे महिलाओं को प्रसव की गुणवत्ता पूर्ण निःशुल्क सुविधा व शिशुओं का सम्पूर्ण टीकाकरण हो रहा है। इस योजना से समुदाय की महिलाओं को संस्थागत प्रसव सम्पादित करने पर मानदेय व ग्राम स्तर पर कार्यरत आशा कार्यकर्ती को देख–रेख व संस्थागत प्रसव हेतु प्रेरित करने पर मानदेय की सुविधा दी जा रही है।

इस योजना से एक ओर सुरक्षित संस्थागत प्रसव व टीकाकरण कार्यक्रम में काफी प्रगति हुइ है। फलस्वरूप मातृ मृत्यु व शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। साथ ही महिलाओं का सशक्तिकरण कर मुख्य धारा में लाने आदि में लाभ हुआ है।

डॉ० वी० एस० टोलिया,
उप मुख्य चिकित्साधिकारी,
एन.आर.एच.एम.,
देहरादून

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का लक्ष्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। जिसमें सबसे बड़ी भूमिका आशा बहनों की है। स्वास्थ्य विभाग जब तक इनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए तत्पर नही होगा, शायद आशाऐं भी अपने कार्य को उतनी कुशलता से नहीं कर पायेंगी। क्योंकि विभाग को यदि कोई भी जानकारी लेनी होती है तो वे आशाओं से ही इस कार्य को करवाते है। परंतु उनकी समस्याओं को उतनी तत्परता से हल नहीं करते है। जिससे लक्ष्य प्राप्ति में भी समस्याऐं आ रही है।

श्री मदन मेहरा
डीपीएम , नैनीताल

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन अभियान के अन्तर्गत ग्राम के लोगों में जागरूकता लानी है ताकि स्वस्थ समाज का विकास हो। इसलिये प्रत्येक ग्रामों में आशा कार्यकर्ती का चयन किया गया ताकि गांव के लोगों को स्वास्थ्य की पूरी जानकारी हो। इस जानकारी को लोगों तक आशा पहुंचाती है तथा ग्रामों में स्वच्छ एवं सुरक्षित प्रसव अस्पताल में ही करवाने के लिए जानकारी देती है।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में प्रत्येक महिला को जननी सुरक्षा योजना का लाभ मिलता है सभी सुरक्षित प्रसव करवाते हैं अतः अपना प्रसव सरकारी अस्पताल में ही करवाते हैं। सही समय पर व सम्पूर्ण टीकाकरण करवाते है।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की विभिन्न योजनाओं से समुदाय के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता आई है तथा लोगों को अपने गांव में स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं की योजना बनाकर उसमें कार्य करना तथा उस कार्य का परिणाम व आंकलन कर स्वस्थ समाज का निर्माण हो रहा है।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन से ग्रामीणों में जागरुकता आई है सभी लोग इसका लाभ उठाने का भरपूर प्रयत्न करते हैं। इसमें आशा कार्यकर्ती प्रत्येक घर से सम्पर्क में रहती है। जिससे गाँव में बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित हुई है और लोग अपना इलाज समय–समय पर करवाते हैं।

श्रीमती अरुणा ममगाई
बीएचडब्लू,
उपकेन्द्र–मोहब्बेवाला, देहरादून

मैं पिछले 15 वर्षों से दूरस्थ उपकेन्द्र सांकरी में सेवा दे रही हूं। वहां फोन तथा लाइट नहीं है। मैने एन0आर0एच0एम0 के शुरू होने पर एस0बी0ए0 का प्रशिक्षण लिया तथा पिछले दो वर्ष से सांकरी उपकेन्द्र में प्रसव करवा रही हूं। मुझे संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन राशि भी मिली है तथा एन0आर0एच0एम0 के आने के बाद मुझे एन0आर0एच0एम0 आने के बाद मेरे उपकेन्द्र की व्यवस्था अच्छी हो गयी तथा मुझे अन्टाइड फन्ड भी मिलता है। जिससे मुझे रिर्पोटिंग के लिए सारे सामान खुद लेती हूं। किसी दूसरे से मांगने की जरूरत नहीं पड़ती है। मैने नवजात शिशु सुरक्षा तथा एस0बी0ए0 में प्रशिक्षण लिया है। जिससे समुदाय को अच्छी सेवा दे पा रही हूं। दूरस्थ गांव में जाने में मुझे कोई दिक्कत नहीं होती क्योंकि गाँव में आशा सभी लोगों को टीकाकरण एवं अन्य सेवा के बारे में जागरुक करने में मदद करती है।

श्रीमती सुमित्रा पंवार,
ए0एन0एम0, उपकेन्द्र मनेरी
ब्लॉक–भटवाड़ी
उत्तरकाशी

उपकेन्द्र के लिए धनराशि मिलती है। जिसमें प्रधान भी हस्ताक्षर करता है। इस कारण ग्राम प्रधान को भी अब एन0आर0एच0एम0 के बारे में जानकारी है। मेरे पास पार्ट टाइम दाई भी है जो प्रसव के समय मदद करती है। मेरे सारे गांव दूरस्थ पैदल मार्ग पर हैं। ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस में आशा गांव में ग्रामवासियों को मेरे आने की सूचना पहुंचा देती है। अभी मैं नई एएनएम को भी अच्छा काम करने की सलाह देती हूं।

श्रीमती सावित्री,
एएनएम, उपकेन्द्र सौड़,
ब्लॉक–मोरी, उत्तरकाशी

रक्तदान

महादान

आशाओं के लिए उपयोगी पुस्तिकाओं हेतु सम्पर्क करें

आओ जाने और समझें

प्राथमिक चिकित्सा

दाई प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

स्वास्थ्य शिक्षा गाईड

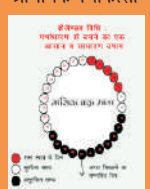
मासिक चक्र माला

स्वास्थ्य एवं पोषण

स्टेट आशा रिसोर्स सेन्टर (एस.ए.आर.सी.)
ग्राम्य विकास संस्थान
हिमालयन इन्स्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट
स्वामी राम नगर, पो.ओ. डोईवाला
देहरादून 248140
www.hihtindia.org
☎ 0135-2471426
Tele Fax: 0135-2471427
E-mail: rdi@hihtindia.org